पशुपोषण के लिये संघनित आहार ब्लाक

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन का एक विशिष्ट स्थान है। पशु आहार का मुख्य भाग फसल अवशेषों जैसे गेहूं व धान का भूसा, कड़वी, दलहनी भूसा तथा घास से प्राप्त होता है। जिसका घनत्व काफी कम (30–105 कि.ग्रा./मी.3) होता है। इस कारण इन फसल अवशेषों के उपयोग, भंडारण तथा ढुलाई में समस्यायें आती हैं। इसके अतिरिक्त इन फसल अवशेषों की पोषकता भी काफी कम होती है। इनमें प्रोटीन की मात्रा 3–6 प्रतिशत तथा कुल पाचक तत्वों की मात्रा 40–45 प्रतिशत तक होती है। साथ ही साथ इनमें खनिज लवण तथा विटामिन की मात्रा भी काफी कम होती है।

संघनित आहार ब्लाकः घास, कड़वी तथा पुआल आदि की कुटटी कर लेते हैं तथा विभिन्न अनुपात (उपलब्धता के आधार पर) में इसमें दलहनी चारों जैसे उड़द, मूंगफली, स्टाइलो, सुबबूल की पत्ती आदि तथा दाना मिश्रण को मिलाकर उसे डेन्सीइंग मशीन द्वारा उच्च घनत्व के ब्लाक के रूप में बना लिया जाता है। एक ब्लाक का वजन लगभग 3–4 कि.ग्रा. होता है।

दाना मिश्रण बनाने के लिए निम्नलिखित अवयवों का उपयोग किया जा सकता है।

सरसों की खली / अन्य खली	35 भाग
पिसा हुआ जौं / मक्का	25 भाग
गेहूं का चोकर	37 भाग
खनिज मिश्रण	1 भाग
नमक	1 भाग
यूरिया	1 भाग
कुल	100 भाग

उपरोक्त चारा या चारा मिश्रण (घास 60 भाग या घास 35 भाग व स्टाइलो 35 भाग) को उपरोक्त दाना मिश्रण के साथ 60:40 या 70:30 के अनुपात में मिलाकर तैयार किया जाता है।

संघनीकरण द्वारा चारे के घनत्व में वृद्धिः आमतौर से चारे का घनत्व 30–105 कि.ग्रा./घन मी. के बीच होता है। जबकि ब्लाक बनाने के उपरान्त इसका घनत्व 360–450 कि.ग्रा./घन मी. तक हो जाता है।

संघनीकरण का परिवहन लागत पर प्रभावः एक ट्रक में सामान्यः 7.25 कुन्तल तथा ब्लाक बना देने पर 131 कुन्तल घास आ जाती है। इस प्रकार परिवहन लागत में 6–8 गुणा तक की कमी हो जाती है एवं यातायात असुविधाओं से बचा जा सकता है साथ ही चारा उत्पादक क्षेत्रों से ब्लाक बनाकर चारे की कमी वाले क्षेत्रों या दैनिक आपदाओं जैसे बाढ़, सूखा, भूकम्प इत्यादि के समय चारे का परिवहन सुगमता से किया जा सकता है।

भंडारण स्थान में कमीः असंघनीकृत चारे का भंडारण करने पर ज्यादा स्थान की आवश्यकता पड़ती है। जैसे एक कुन्तल घास के भंडारण में लगभग 3.89 घन मी. स्थान की आवश्यकता पड़ती है। इसी प्रकार से गेहूं के भूसे को 1.06 घन मी. स्थान की जरूरत पड़ती है। जबकि ब्लाक के रूप में भंडारित करने के लिए एक कुन्तल घास तथा गेहूं के भूसे को मात्र 0.22 घन मी. तथा 0.24 घन मी. स्थान चाहिए।

पशु की आहार ग्राह्यता एवं उत्पादकता पर प्रभावः इसके लिए पशु आहार में दाना, खली अथवा दलहनी चारे जैसे स्टाइलो, सुबबूल या अन्य चारों जैसे उड़द भूसा आदि को मिलाया जाता है। जिससे पशु आहार की गुणवत्ता बढ़ जाती है और संघनीकरण से तत्व–घनत्व में काफी वृद्धि हो जाती है। ब्लाक के रूप में खिलाने से पशु की आहार ग्राह्यता 15–25 प्रतिशत अधिक होती है। शुष्क पदार्थ ग्राहयता बढ़ने का सीधा प्रभाव उसके शरीर वृद्धि व 15–20 प्रतिशत अधिक होती है। इसी प्रकार से भैंसों से दुग्ध उत्पादन 12–15 प्रतिशत की वृद्धि ब्लाक खिलाने पर पायी गई।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें :

प्रभारी अधिकारी, एटिक
भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान
झाँसी उ.प्र. – 284003 भारत
किसान काल केन्द्र दूरभाषः 0510–2730241
Website : www.igfro.res.in